## अपील

बन्धुवर,

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं. मदनमोहन मालवीयजी युगपुरुष थे। निर्धन परिवार में जन्म लेकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा से इस भूमण्डल को प्रभावित करनेवाले हम सबके श्रद्धेय महामना के सार्वजनिक जीवन में कोई भी क्षेत्र शायद ही उनसे अछूता है। स्वतन्त्रता-संग्राम, धर्म, अध्यात्म, शिक्षा, राजनीति, पत्रकारिता, औद्योगिक विकास, राष्ट्रभाषा हिंदी-उत्थान, नारी-शिक्षा, साम्प्रदायिक सद्भाव, सामाजिक समरसता, गंगा, गीता, गोरक्षा आदि अनेक क्षेत्रों में उन्होंने न केवल विचार व्यक्त किये, अपितु उसे मूर्त्त रूप भी प्रदान किया।

महामना मालवीय मिशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने महामना मालवीयजी के जीवन-दर्शन, व्यक्तित्व एवं सम्पूर्ण कृतित्व पर 'सम्पूर्ण मालवीय वाङ्मय' प्रकाशित करने का महत् संकल्प लिया है। यह वाङ्मय महामना के जीवन के सभी पहलुओं को संकलित करते हुए उनके विचारों एवं कार्यों को प्रकाशित करेगा। सम्पूर्ण वाङ्मय 25-30 खण्डों में होगा जिसमें समय के साथ-साथ धन की भी आवश्यकता है।

उपर्युक्त अभियान में अनेक शोध-छात्र व प्रबुद्ध जन वाराणसी, प्रयाग, दरभंगा, हैदराबाद, दिल्ली, मुम्बई, हरिद्वार, अयोध्या, मिर्ज़ापुर, आदि अनेक स्थानों से सामग्री-संकलन के लिए प्रयासरत हैं।

इस दृष्टि से मिशन की समस्त शाखाएँ भी अपने स्तर से बैठकें करके इस कार्य में सहयोग हेतु हरसम्भव प्रयास कर रही हैं। धन-संग्रह और सामग्री-संकलन– दोनों कार्यों में आप सभी महानुभावों से उदारतापूर्ण सहयोग का अनुरोध है।

इस महान् कार्य में सहयोग हेतु सभी नागरिकों तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व एवं वर्त्तमान विद्यार्थियों तथा महामना के भक्तों से विनम्र अपील है कि आप तन, मन, धन से सहयोग करें। मिशन को दिया गया दान 80-जी के अन्तर्गत करमुक्त है।

कृपया अपनी सहयोग-राशि, अपने **PAN No.** के साथ महामना मालवीय मिशन के अग्रलिखित खाते में चेक द्वारा अथवा RTGS/NEFT द्वारा भेजें :

**MAHAMANA MALAVIYA MISSION**
**SB A/c No. 60149770531**
**Bank of Maharashtra, B-29, Connaught Place,**
**New Delhi-110 001**
**MICR CODE-110014003**
**IFSC / RTGS CODE-MAHB0000343**

चेक, ड्राफ्ट **MAHAMANA MALAVIYA MISSION** के पक्ष में देय होना चाहिए। **NEFT/RTGS** द्वारा दान देनेवाले दानदाता **mahamanavangmay@gmail.com** पर अपना नाम, पता, पैन नं. एवं मोबाइल नं. अवश्य भेजने की कृपा करें, जिससे प्राप्ति-रसीद भेजी जा सके।

### सादर

**न्यायमूर्ति (से.नि.) गिरिधर मालवीय**
कुलाधिपति, काशी हिंदू विश्वविद्यालय;
संरक्षक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष,
महामना मालवीय मिशन

**इंजी. प्रभुनारायण श्रीवास्तव**
राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन
मो.: 9794894400

**डॉ. वेदप्रकाश सिंह**
राष्ट्रीय महामन्त्री, महामना मालवीय मिशन
मो.: 9312693163

**इंजी. हरिशंकर सिंह**
राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन
राष्ट्रीय समन्वयक, मालवीय वाङ्मय परियोजना
मो.: 9868755059, 7011107559

**दिनकर कुमार सिंह**
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन
मो.: 9582216158

## उदार दानदाताओं की सूची

[ ₹1,00,000/- या उससे अधिक की सहयोग-राशि प्रदान करनेवाले दानदाता ]

| क्रमांक | दानदाता | स्थान | सहयोग-राशि |
|---|---|---|---|
| 1. | राष्ट्रीय सेवा समिति | तिरुपति | ₹6,00,000 रुपये |
| 2. | एच.के कुलचुरी एजुकेशन ट्रस्ट | भोपाल | ₹5,00,000 रुपये |
| 3. | महामना मदनमोहन मालवीय मेमोरियल ट्रस्ट | दिल्ली | ₹4,00,000 रुपये |
| 4. | मेसर्स इण्डोबिल्ट स्टोरेज सिस्टम लि. | मुम्बई | ₹3,00,000 रुपये |
| 5. | मेसर्स आयुकार्ट प्रा. लि. | दिल्ली | ₹2,51,000 रुपये |
| 6. | श्री मुकेश पाण्डेय | मुम्बई | ₹2,00,000 रुपये |
| 7. | डॉ. श्रीराम | बंगलुरू | ₹2,00,000 रुपये |
| 8. | महामना मालवीय मिशन, लखनऊ इकाई | लखनऊ | ₹1,55,000 रुपये |
| 9. | डॉ. विवेक कुमार | दिल्ली | ₹1,51,000 रुपये |
| 9. | डॉ. राहुल चन्दोला (दिल्ली हर्ट एण्ड लंग इंस्टीट्यूट) | नयी दिल्ली | ₹1,50,000 रुपये |
| 10. | श्री रोहित कुमार सिन्हा | दिल्ली | ₹1,11,000 रुपये |
| 11. | माननीय डॉ. कृष्णगोपाल | दिल्ली | ₹1,00,000 रुपये |
| 12. | इं. प्रभुनारायण श्रीवास्तव | लखनऊ | ₹1,00,000 रुपये |
| 13. | श्री पन्नालाल जायसवाल | दिल्ली | ₹1,00,000 रुपये |
| 14. | श्री अरुण कुमार पाण्डेय | मुम्बई | ₹1,00,000 रुपये |
| 15. | डॉ. गंगाप्रसाद प्रसेन | अगरतला | ₹1,00,000 रुपये |

## महामना के सम्पूर्ण वाङ्मय का संकलन-प्रकाशन

# क्यों?

"महामना के प्रवचनों, वक्तव्यों, सन्देशों, व्याख्यानों और भाषणों तथा लेखों का संकलन तत्परता से करके प्रकाशित करना चाहिये; क्योंकि वे लोककल्याण के अमोघ साधन हैं और उन्हें साहित्य की अमूल्य निधि मानकर सुरक्षित रखने की आवश्यकता है।... मालवीय-साहित्य के संरक्षण से भारत-जैसे विशाल राष्ट्र के राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक नवजागरण का इतिहास तैयार हो जायेगा।"

—आचार्य शिवपूजन सहाय
'नागरी प्रचारिणी पत्रिका', वर्ष 66, अंक 2-3-4,
संवत् 2018 वि. (1961 ई.)
'मालवीय शती विशेषांक',
काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, पृ. 550-551

# पं. मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय

## (The Complete Works of Pt. Madan Mohan Malaviya)

पं. मदनमोहन मालवीय के सम्पूर्ण दस्तावेज़ों से समन्वित महामना का सारस्वत स्मारक

CW MMM
THE COMPLETE WORKS OF PT. MADAN MOHAN MALAVIYA


## महामना मालवीय मिशन

'मालवीय स्मृति भवन', 52-53, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नयी दिल्ली-110 002
दूरभाष : 011-23238014, 23216184
e-mail: mahamanavangmay@gmail.com
Visit us at : www.malaviyamission.org/vangmay

# पं. मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय

## (The Complete Works of Pt. Madan Mohan Malaviya)

पं. मदनमोहन मालवीय के सम्पूर्ण दस्तावेज़ों से समन्वित महामना का सारस्वत स्मारक

**महामना पं. मदनमोहन मालवीयजी (1861–1946)** की शिक्षा, उनकी धारणा और जीवन-दर्शन के अध्ययन के लिए महामना मालवीय मिशन **पं. मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय (द कम्प्लीट वर्क्स ऑफ़ पं. मदन मोहन मालवीय)** को प्रकाशित करने जा रहा है। यह ग्रन्थमाला मालवीय जी के सारे लेखों, भाषणों और पत्रों, जो उनके जीवन के किसी भी काल के और कहीं भी उपलब्ध क्यों न हों, को यथासम्भव प्राथमिक स्रोतों से एकत्र करने और उन सबको यथावत् प्रकाशित करने का भगीरथ प्रयास है। मालवीयजी के लेख, भाषण और पत्र उनके लगभग छह दशक (1886 से 1946 ई.) के अत्यन्त कर्मठ सार्वजनिक जीवन के हैं। वे केवल उन थोड़ी-सी पुस्तकों में नहीं हैं जो उन्होंने लिखी हैं या जो उनके जीवनकाल में प्रकाशित हुई थीं। वे कई अभिलेखागारों, सरकारी काग़ज़-पत्रों तथा रिपोर्टों और अंग्रेज़ी और हिंदी के पुराने समाचार-पत्रों में भी हैं। मालवीयजी के लिखे हज़ारों पत्र सभी धर्म-सम्प्रदायों और जातियों के असंख्य व्यक्तियों के पास भारतभर में और कुछ विदेशों में फैले हुए हैं। मालवीयजी की वाणी एक ही भाषा तक सीमित न थी। उन्होंने देश और विदेशों में हिंदी, संस्कृत, उर्दू और अंग्रेज़ी में अनगिनत भाषण, प्रवचन और व्याख्यान दिये।

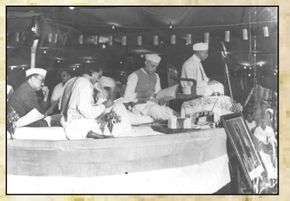

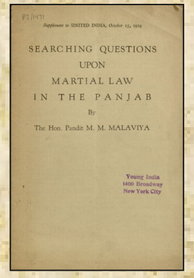














Supplement to UNITED INDIA, October 15, 1919

SEARCHING QUESTIONS
UPON
MARTIAL LAW
IN THE PANJAB

By

The Hon. Pandit M. M. MALAVIYA

Young India
1400 Broadway
New York City

सम्पूर्ण मालवीय वाङ्मय परियोजना को कार्यान्वित करने के लिये महामना मालवीय मिशन ने देशभर के अभिलेखागारों, पुस्तकालयों तथा निजी संग्रहों से बड़ी संख्या में मालवीयजी के मूल दस्तावेज़ (पत्र, प्रोसीडिंग्स, रिपोर्ट्स, सन्दर्भ-ग्रन्थ, चित्र और समकालीन पत्र-पत्रिकाएँ, वीडियो-फूटेज्स, इत्यादि) प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और आज भी यह कार्य अनवरत जारी है। अब तक प्राप्त समस्त सामग्री का अत्यन्त सावधानीपूर्वक वर्गीकरण कर लिया गया है।

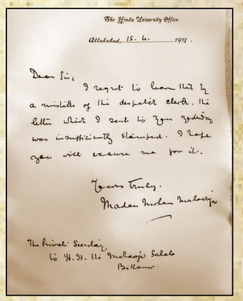






उक्त सामग्री से पता चलता है कि मालवीयजी ने एक लेखक, सम्पादक, अधिवक्ता, राजनीतिज्ञ, धार्मिक नेता, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद्, संस्कृतज्ञ, ज्योतिषाचार्य, आन्दोलनकारी, आदि अनेक रूपों में बहुत कुछ लिखा और कहा है। यह समस्त सामग्री सम्पादनोपरान्त **पं. मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय** के अनुमानतः **25–30 खण्डों** में प्रकाशित की जायेगी। अन्तिम खण्ड अनुक्रमणिका का होगा, ताकि सम्पूर्ण वाङ्मय में शीघ्र और सरलता से जानकारी खोजी जा सके।



The Hindu University Office.
Allahabad, 15. 6. 1911.

Dear Sir,
I regret to learn that by a mistake of the despatch clerk, the letter which I sent to you yesterday was insufficiently stamped. I hope you will excuse me for it.

Yours Truly,
Madan Mohan Malaviya.

The Private Secretary
to H.H. the Maharaja Saheb
Bikaner.

**पं. मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय** के प्रकाशन से न केवल भारत-जैसे विशाल राष्ट्र के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं भाषाई नवजागरण का एक लम्बा और बहुत कुछ अज्ञात इतिहास उद्घाटित हो सकेगा, वरन् एक राष्ट्रीय धरोहर के रूप में स्थापित होकर देश-विदेश के प्रतिष्ठित पुस्तकालयों में संगृहीत होकर शोधार्थियों के लिए सूचना का मूल स्रोत भी बनेगा। इस परियोजना का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके पूर्ण होने के पश्चात् अकादमिक जगत् में महामना मालवीयजी के साहित्य के अध्ययन और अध्यापन को बढ़ावा मिलेने के साथ-साथ मालवीयजी के विचार, **मालवीयवाद (मालवीयज्म)** के रूप में प्रतिष्ठित होंगे।

सम्पूर्ण मालवीय वाङ्मय परियोजना पूर्ण होने के पश्चात् मूल सामग्री को 'मालवीय स्मृति भवन' में एक अत्याधुनिक **महामना मालवीय स्मृति राष्ट्रीय अभिलेखागार** के रूप में सुरक्षित रखा जायेगा ताकि भविष्य में मालवीयजी पर शोध करनेवाले विद्यार्थियों को मूल दस्तावेज़ों को प्राप्त करने हेतु यत्र-तत्र भटकना न पड़े।

## सम्भावित खण्डों की सूची


खण्ड 1 **प्रारम्भिक रचनाएँ :** 'मकरन्द' उपनाम से प्रारम्भिक काव्य-रचनाएँ, 'हिन्दोस्थान' (कालाकाँकर, 1887–1891), 'इण्डियन यूनियन' में मालवीयजी की सम्पादकीय टिप्पणियाँ; 'कोर्ट कैरेक्टर एण्ड प्राइमरी एजुकेशन इन द नॉर्थ-वेस्ट प्रोविंस एण्ड अवध' (इलाहाबाद, 1897), हिन्दी-मासिक 'हिन्दी प्रदीप' में प्रकाशित रचनाएँ, इत्यादि

खण्ड 2 **पत्रकारिता, भाग 1 :** हिंदी-साप्ताहिक 'अभ्युदय' में प्रकाशित सम्पादकीय (1907–1909)

खण्ड 3 **पत्रकारिता, भाग 2 :** अंग्रेज़ी-दैनिक 'द लीडर' में प्रकाशित सम्पादकीय (1907–1909)

खण्ड 4 **अधिवक्ता :** मालवीयजी द्वारा न्यायालय में की गई बहसें

खण्ड 5 **शिक्षा-क्षेत्र में योगदान-1 :** काशी हिंदू विश्वविद्यालय : भाग 1 : स्थापना-पूर्व के कार्य (1904–1916)

खण्ड 6 **शिक्षा-क्षेत्र में योगदान-2 :** काशी हिंदू विश्वविद्यालय : भाग 2 : स्थापना-पश्चात् के कार्य (1916–1946)

खण्ड 7 **शिक्षा क्षेत्र में योगदान-3 :** शिक्षा क्षेत्र में अन्य योगदान (गौरी पाठशाला, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, इत्यादि)

खण्ड 8 **आर्थिक विकास में योगदान-1 :** भारतीय औद्योगिक सम्मेलनों में दिये गए भाषण (1905–1915)

खण्ड 9 **आर्थिक विकास में योगदान-1 :** भारतीय औद्योगिक आयोग (1916–1918), फ़ेडरेशन ऑफ़ इण्डियन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज़ (1931–1933) के सम्मेलनों में दिये गए भाषण, इत्यादि।

खण्ड 10 **संसदीय कार्य-1 :** लेजिस्लेटिव काउंसिल ऑफ़ युनाइटेड प्रोविसेंस ऑफ़ आगरा एण्ड अवध में दिए गए भाषण (1902–1909)

खण्ड 11 **संसदीय कार्य-2 :** शाही विधानपरिषद् (इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल) में दिए गए भाषण (1910–1917)

खण्ड 12 **संसदीय कार्य-3 :** शाही विधानपरिषद् (इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल) में दिए गए भाषण (1918–1920)

खण्ड 13 **संसदीय कार्य-4 :** केन्द्रीय विधानसभा (सेण्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली) दिए भाषण (1924–1927)

खण्ड 14 **संसदीय कार्य-5 :** केन्द्रीय विधानसभा (सेण्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली) दिए भाषण (1928–1930)

खण्ड 15 **राजनीति में योगदान-1 :** भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशनों में दिये गए भाषण और प्रस्ताव (1886–1936)

खण्ड 16 **राजनीति में योगदान-2 :** अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी, स्वदेशी कान्फ्रेंस, सर्वदलीय सम्मेलन (1928), द काँग्रेस इण्डिपेंडेंट पार्टी, द काँग्रेस नेशनलिस्ट पार्टी, इत्यादि

खण्ड 17 **राजनीति में योगदान-3 :** जलियाँवाला बाग़ जाँच समिति की रिपोर्ट (1920), द्वितीय भारतीय गोलमेज सम्मेलन (लन्दन, 1931), पूना समझौता-सम्बन्धी भाषण, लेख और पत्र (1932)

खण्ड 18 **राजनीतिक लेखन :** 'अ क्रिटिसिज़्म ऑफ़ माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड प्रोपोज़ल्स ऑफ़ इण्डियन कॉन्स्टिटट्यूशनल रिफॉर्म्स' (अगस्त, 1918), 'सर्चिंग क्वेश्चन अपॉन मार्शल लॉ इन द पंजाब', 'द स्टेटुटोरी कमीशन', 'पण्डित मदन मोहन मालवीयज़ स्टेटमेण्ट ऑन रीप्रेसन इन इण्डिया अपटू अप्रैल 20, 1932', इत्यादि

खण्ड 19 **बहुआयामी व्यक्तित्व :** अखिल भारतीय हिंदू महासभा, हिंदू सम्मेलन, अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, अखिल भारतीय आयुर्वेद सम्मेलन, अखिल भारतीय वैद्य सम्मेलन, अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन, अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन, इत्यादि में दिये गए भाषण।

खण्ड 20 **धार्मिक अवदान, भाग-1 :** पं. मदनमोहन मालवीय के धर्म-सम्बन्धी लेख और भाषण

खण्ड 21 **धार्मिक अवदान, भाग 2 :** पं. मदनमोहन मालवीय के धर्म-सम्बन्धी कार्य (भारतधर्म महामण्डल, श्रीगंगासभा (हरिद्वार), बद्रीनाथ मन्दिर, अखिल भारतवर्षीय सनातनधर्म महासभा, मथुरा-वृन्दावन हासानन्द गोशाला, श्रीकृष्णजन्मस्थान (मथुरा), दुर्ग्याणा मन्दिर (अमृतसर), इत्यादि

खण्ड 22 **धार्मिक अवदान, भाग 3 :** महामना की हस्तलिखित दैनन्दिनी

खण्ड 23 **रचनात्मक कार्य :** भारती भवन पुस्तकालय, द मैक्डॉनल हिंदू ब्वायज़ हॉस्टल, अखिल भारतीय सेवा समिति, हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स, अखिल भारतीय स्वदेशी संघ

खण्ड 24 **विविध :** विविध पत्राचार तथा वे सभी विषय जो उक्त खण्डों में नहीं आ सके हैं।

खण्ड 25 महामना मदनमोहन मालवीय का जीवन-दर्शन

खण्ड 26 **अनुक्रमणिका :** समस्त खण्डों की संयुक्त शब्दानुक्रमणिका


## पं. मदनमोहन मालवीय : संक्षिप्त परिचय



काशी हिंदू विश्वविद्यालय के यशस्वी संस्थापक, सनातनधर्म के पुरोधा, स्वदेशी-स्वराज्य-स्वधर्म-स्वभाषा के प्रबल समर्थक **भारत रत्न भारतभूषण महामना पं. मदनमोहन मालवीय (1861–1946)** का कार्यकलाप भारतीय समाजजीवन के सभी क्षेत्रों में व्याप्त रहा है। वह एक महान् स्वाधीनता सेनानी, सिद्धान्तप्रिय राजनीतिज्ञ, अग्रणी समाजसुधारक, प्रखर शिक्षाविद्, यशस्वी पत्रकार, अनेक संस्थानों के जन्मदाता, कला-संगीत-साहित्य के मर्मज्ञ होने के साथ एक सफल अधिवक्ता थे। पत्रकारिता के शिखर-पुरुष मालवीय जी ने **द इण्डियन यूनियन** (अंग्रेज़ी-साप्ताहिक, 1885–1887), **हिन्दोस्थान** (हिंदी-दैनिक, 1887–1891), **अभ्युदय** (हिंदी-साप्ताहिक, 1907–1909) एवं **द लीडर** (अंग्रेज़ी-दैनिक, 1909–1911)-जैसे पत्रों का सम्पादन किया था। हिंदी-भाषा, नागरी-लिपि और संस्कृत के उत्थान के लिए महामना ने अथक प्रयत्न किये। मालवीयजी के प्रयास से सन् 1884 में **हिंदी-उद्धारिणी-प्रतिनिधि-सभा** की स्थापना हुई थी। सन् 1927 से 1946 तक वह **द हिंदुस्तान टाइम्स** के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स के चेयरमैन रहे। अनेकानेक लेख और कविताएँ लिखीं। संस्कृत से प्रेम होने के कारण अनेक लेख और अभिलेख संस्कृत में लिखे, जो आज भी देश में कुछ स्थानों पर उत्कीर्ण हैं।

भारतीय स्वराज्य आन्दोलन में मालवीयजी का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। मालवीयजी सन् 1886 में मात्र 25 वर्ष की आयु में **भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस** से जुड़े और 4 बार (लाहौर, 1909; दिल्ली, 1918; दिल्ली, 1932 और कलकत्ता, 1933) उसके अध्यक्ष चुने गए थे। अपने देहावसान के प्राय: एक दशक पहले तक वह काँग्रेस के लगभग सभी अधिवेशनों में सम्मिलित हुए थे। **अखिल भारतीय हिंदू महासभा** के वह तीन बार अध्यक्ष चुने गए थे। मालवीयजी ने श्री माधव श्रीहरि अणे के साथ **काँग्रेस नेशनलिस्ट पार्टी** का गठन किया था। सन् 1902 से 1909 तक वह **संयुक्तप्रान्तीय विधानसभा**, 1910 से 1920 तक **शाही विधानपरिषद्** तथा 1924 से 1930 तक **केन्द्रीय विधनसभा** के निर्वाचित सदस्य रहे। सन् 1901 से 1916 तक **इलाहाबाद म्युनिसपैलिटी** के क्रमश: एक सदस्य, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष के रूप में उन्होंने इलाहाबाद की भरपूर सेवा की। सन् 1916 से 1918 तक **भारतीय औद्योगिक आयोग** के सदस्य रहे। मालवीयजी **जलियाँवाला बाग़ हत्याकाण्ड जाँच समिति** के सदस्य होने के साथ **जलियाँवाला बाग़ स्मारक समिति** के संस्थापक-अध्यक्ष भी थे। सन् 1931 में उन्होंने लन्दन में आयोजित **द्वितीय भारतीय गोलमेज सम्मेलन** में गांधीजी के साथ काँग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था।

महामना मालवीय जी एक व्यक्ति नहीं, अपितु संस्था थे। उन्होंने **हिंदू समाज** (इलाहाबाद, 1880), **देशी तिजारत कम्पनी** (इलाहाबाद, 1881), **मध्य हिंदू समाज** (इलाहाबाद, 1885), **भारतधर्म महामण्डल** (हरिद्वार, 1887), **अखिल भारतवर्षीय सनातनधर्म महासभा** (इलाहाबाद, 1906), **अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन** (इलाहाबाद, 1910), **अखिल भारतीय सेवा समिति** (इलाहाबाद, 1914), **श्रीगंगासभा** (हरिद्वार, 1916), **श्रीदुर्ग्याणा मन्दिर** (अमृतसर, 1924–1925), **श्रीविश्वनाथ मन्दिर** (बनारस), **अखिल भारतीय स्वदेशी संघ** (बनारस, 1932), **अखिल भारतीय विक्रम परिषद्** (1943) और **हिंदुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स एसोसिएशन**-जैसी संस्थाएँ भी मालवीयजी की देन है। हिंदी, संस्कृत, आयुर्वेद, ज्योतिष, प्राच्यविद्या आदि के सम्मेलनों से भी मालवीयजी सदा जुड़े रहे।

शिक्षा-क्षेत्र में मालवीयजी का अतुलनीय योगदान है। सन् 1889 में उन्होंने इलाहाबाद में **भारती भवन पुस्तकालय** की स्थापना की। सन् 1899 से 1910 तक वह **इलाहाबाद विश्वविद्यालय** के सीनेट तथा सिण्डिकेट के सदस्य रहे। 1901 में उन्होंने इलाहाबाद में **द मैक्डॉनेल यूनिवर्सिटी हिंदू बोर्डिंग हाउस** तथा 1904 में **गौरी पाठशाला** की स्थापना की। सन् 1907 में उन्होंने हरिद्वार में **ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम विद्यापीठ** की स्थापना की। सन् 1912 में उन्होंने इलाहाबाद में **सेवा समिति विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज़** का शुभारम्भ किया। सन् 1916 में उन्होंने देश के अनेक राजे-महाराजाओं के आर्थिक सहयोग से **काशी हिंदू विश्वविद्यालय** की नींव रखी जो महामना की कीर्तियों का अक्षय स्मारक है। मालवीयजी सन् 1919 से 1939 तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति एवं तत्पश्चात् देहावसान तक कुलाधिसचिव के पद पर रहे।